eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 05, May 2025

भारत में 21वीं सदी के युवाओं के विकास के लिए रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं विभिन्न कौशल विकास की भूमिका

नेहा श्रीवास्तव[1]
[1]शोध छात्रा शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उ0प्र0

Received: 15 May 2025 Accepted & Reviewed: 25 May 2025, Published: 31 May 2025

Abstract

भारत में 21वीं सदी के युवाओं के विकास आर्थिक सामाजिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी प्रगति के साथ रोजगार उन्मुख शिक्षा और कौशल विकास ने शिक्षा प्रणाली में केंद्र बिंदु की भूमिका निभाई है। भारत के युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख शिक्षा और प्रशिक्षण की अत्यधिक उपयोगिता है यह रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने कौशल विकास और अर्थव्यवस्था मे योगदान करने के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है भारत एक युवा देश अपनी जनसंख्या के बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करने की चुनौतियों का सामना कर रहा है 21वीं सदी में जहां तकनीकी प्रगति और वैश्वीकरण ने रोजगार के स्वरूप को बदल दिया है वहां पारंपरिक शिक्षा प्रणाली युवाओं को उद्योग की जरूरत के अनुसार तैयार करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है रोजगार उन्मुख शिक्षा का उद्देश्य युवाओं को व्यवसाय का व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है जिससे वह अत्यधिक आत्मनिर्भर बन सके और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सके। इस शोध पत्र में भारत में 21वीं सदी के युवाओं के विकास हेतु रोजगार उन्मुख शिक्षा की प्रासंगिकता, लाभ, चुनौतियां, संभावित समाधान पर विश्लेषण किया गया है।

मुख्य शब्द – युवाओं का विकास, रोजगार उन्मुख शिक्षा, विभिन्न कौशल

Introduction

भारत में शिक्षा प्रणाली ऐतिहासिक रूप से ज्ञान आधारित रही है जहां व्यवसाय को कौशल आधारित शिक्षा पर कम ध्यान दिया गया 21वीं सदी में जब तकनीकी उद्योग तेजी से बदल रहे हैं रोजगार उन्मुक्त शिक्षा युवाओं को न केवल रोजगार दिलाने में सहायक है बल्कि उन्हें उद्यमशीलता (एंटरप्रेन्योरशिप) की ओर भी प्रेरित करती है यह प्रणाली युवाओं को उनके कौशल रुचि के आधार पर अवसर प्रदान करती है। 21वीं सदी में भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश बन गया है। जैसे–जैसे हम 21वीं सदी की ओर बढ़ रहे हैं आगे देखने के लिए बहुत कुछ है साथ ही हमारे देश में दुनिया के सामने कई मुद्दे हैं जिन पर हमें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है इनमें से कुछ जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का हास, हिंसक उग्रवाद में वृद्धि और असमानता है।

भारत अपनी अपेक्षाकृत युवा आबादी के साथ इन वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने में अग्रणी भूमिका निभाना के लिए अद्वितीय स्थिति में है जो मुझे लगता है की महत्वपूर्ण लाभ है 2020 तक भारत में औसत आयु 29 वर्ष होगी और यह दुनिया के सबसे युवा देश बनने के लिए तैयार है 65% आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है देश के युवा न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सामाजिक पर्यावरणीय और आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान करते हैं हालांकि हालांकि यह महत्वपूर्ण है कि युवा लोगों को इस चुनौतियों का सामना करने के लिए उपयुक्त कौशल सेट से लैस किया जाए और इस दिशा में शिक्षा प्रणाली हमारी सबसे अच्छी शर्त है। शांतिपूर्ण और इष्टतम समाधान तक पहुंचाने के लिए मुद्दों पर सवाल उठाने उनका आकलन करने और उनका मूल्यांकन करने की क्षमता और साहस होना

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 05, May 2025

चाहिए ऐसा करने के लिए उन्हें न केवल आलोचनात्मक जांच के कौशल की आवश्यकता होती है बल्कि सामाजिक भावनात्मक योग्यताओं की भी आवश्यकता होती है उन्हें वैश्विक पर्यावरण की ओर और उनके अंतर सांस्कृतिक विविधता का प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। 2012 में सरकार द्वारा शांति और सतत विकास के लिए महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान एनजीआईपी की स्थापना इस दिशा में कदम आगे बढ़ाने के रूप में की गई थी क्योंकि संस्थान अपनी पहलुओं को महात्मा गांधी के मूल्य पर आधारित करता है अर्थात शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज का निर्माण करना ही उचित शिक्षा का मार्गदर्शन है।

शोध का उद्देश्य – इस शोध का उद्देश्य देश के युवा पीढ़ी को आधुनिक तकनीकी तथा विभिन्न कौशलों से अवगत कराना तथा रोजगार उन्मुख शिक्षा प्रदान करने से है, जिससे हमारे देश के युवा अपनी पसंदीदा तथा अपने कौशल के अनुसार अपने व्यवसाय को अपना कर देश के उन्नति में सहायता करेंगे।

शोध विधि – प्रस्तुत शोध विधि का स्वरूप वर्णनात्मक है शोध विधि में प्रयुक्त आंकड़े शोध पत्रिकाओं, पुस्तकों, इंटरनेट के माध्यम से लिए गए हैं ।

21वीं सदी की शिक्षा तथा कौशल से तात्पर्य – शिक्षा मानव जीवन तथा समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है शिक्षा हमें ज्ञान, समझ, अनुभव, सूक्ष्मता, संस्कार, नैतिकता और सोच की क्षमता प्रदान करती है इससे हमारे मन में नए विचार, नए रुचिया नई संभावनाएं और नए सपने उत्पन्न होते हैं समाज की विकास के लिए शिक्षा का एक महत्वपूर्ण रोल अथवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अतः 21वीं सदी की शिक्षा का अर्थ है छात्रों को इस नई दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना उन कौशलों का अभ्यास करने के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने में उनकी मदद करना इत्यादि है

21 वीं सदी के कौशल से तात्पर्य ज्ञान जीवन कौशल, करियर, आदतों गुणों से है जो आज की दुनिया में छात्रों की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, विशेष रूप से तब जब छात्र कॉलेज कार्यबल और वयस्क जीवन की ओर बढ़ने लगते हैं। इतनी सारी जानकारी के लिए आसानी से उपलब्ध होने के कारण 21वीं सदी के कौशल उसे जानकारी को समझने साझा करने और स्मार्ट तरीके से उपयोग करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं ।

रोजगार उन्मुख शिक्षा की परिभाषा और महत्व– शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी और व्यावहारिक कौशल से लैस करना है,एक बेहतर रोजगार और अपने करियर में सफल होने में मदद करता है भारत के युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख शिक्षा और प्रशिक्षण की अत्यधिक उपयोगिता है यह रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने कौशल विकास और अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

रोजगार उन्मुक्त शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जो विद्यार्थी को व्यवहारिक कौशल तकनीकी ज्ञान और रोजगार के लिए आवश्यक क्षमताएं प्रदान करती है या प्रणाली कक्षा के पारंपरिक ढांचे से आगे बढ़कर उद्योग बाजार और स्टार्टअप संस्कृति से जुड़ती है।

रोजगार उन्मुख शिक्षा की आवश्यकता इस प्रकार है –

उद्योगों की मांग

हम सभी जानते हैं कि ऑटोमेशन और प्रतिम बुद्धिमत्ता आई जैसी तकनीकों के कारण पारंपरिक नौकरियों की प्रकृति बदल रही है नई नौकरियों के लिए नए कौशल की आवश्यकता होती है अतः बदलते उद्योगों की मांग को देखते हुए हमें रोजगार उन्मुख शिक्षा की आवश्यकता है ।

सैद्धांतिक से व्यावहारिक शिक्षा – आज के समय में केवल पुस्तगी ज्ञान की बजाय प्रैक्टिकल और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा से छात्रों को बेहतर तैयारी मिलती है अतः हमें छात्रों को ऐसी शिक्षा देनी चाहिए जिससे उनके व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ाया जा सके।

उद्यमिता का विकास – रोजगार उन्मुख शिक्षा युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप्स की ओर प्रेरित करती है जिससे विद्यार्थी अपनी क्षमता के अनुसार अपनी व्यवसाय का चयन कर सकते हैं जो की न केवल व्यक्तिगत रूप से बल्कि इस देश को विकसित करने में भी मदद कर सकता है ।

रोजगार उन्मुख शिक्षा ग्रामीण और शहरी युवाओं के बीच समान अवसर प्रदान करती है।

रोजगार के नए क्षेत्र – कृत्रिम बुद्धिमत्ता आई डाटा एनालिटिक्स हरित ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियां प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय विकास में योगदान – आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन में योगदान देती है कुशल श्रम बल तैयार करती है जो कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मददगार होता है।

कौशल विकास की भूमिका

तकनीकी कौशल – तकनीकी कौशल सिद्धार्थ पर जैसे कोडिंग डाटा एनालिटिक्स डिजाइनिंग डिजिटल मार्केटिंग इत्यादि से है।

संचार नेतृत्व कौशल – बेहद बेहतरयुवाओं को ऐसा नेतृत्व प्रदान करना चाहिए संवाद क्षमता आज की नौकरियों में प्रमुख भूमिका निभाती है अतः अतः युवाओं को ऐसा नेतृत्व प्रदान करना चाहिए जिससे वह किसी से भी अच्छे से संवाद कर सके और नेतृत्व क्षमता आज की नौकरी में प्रमुख भूमिका निभाती है।

मल्टीडिसीप्लिनरी कौशल – हमें युवाओं को इस तरह से विभिन्न विषयों का ज्ञान देना चाहिए जिससे वह बहुआयामी समस्याओं का समाधान कर सके।

हरित कौशल – पर्यावरण अनुकूलन तकनीकियों का ज्ञान देना हरित कौशल के अंतर्गत आता है ।

सरकार और संगठनों की पहल

स्किल इंडिया मिशन

- इस कार्यक्रम के तहत युवाओं को औद्योगिक कौशल में प्रशिक्षित किया जा रहा है ।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) युवाओं को रोजगार पर प्रशिक्षण देने के लिए बनाई गई है ।
- UDAN: महिला और ग्रामीण युवाओं के लिए विशेष कौशल विकास
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कौशल आधारित शिक्षा को कार्यक्रम करने पर जोर दिया है ।

सहायक कदम

इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप छात्रों उद्योग के अनुभव से जोड़ना– छात्रों को वास्तविक उद्योग के अनुभव से जोड़ना जिससे वे वास्तविकता में किसी भी व्यवसाय को कैसे चलाना है, किस प्रकार से व्यवसाय से लाभ निकलना है तथा जोखिम से किस तरह बाहर निकलना है इत्यादि की जानकारी वास्तविक परिस्थिति मे ही कर सकते है।

डिजिटल शिक्षा का विस्तार

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे – Coursers,Udemy. एडमिन और स्किल शेयर का उपयोग करके विद्यार्थी अपनी स्किल्स को और अधिक निखार सकते है जिससे उनको नए नए रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

स्थानीय स्तर पर कौशल विकास – ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में भी कौशल केंद्र स्थापित करना, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी के कौशल का विकास किया जा सके और प्रत्येक विद्यार्थी अपनी ज्ञान का परिमार्जन कर सके और देश की उन्नति मे सहायक सिद्ध हो सके।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 04, Issue 05, May 2025

चुनौतियां और समाधान

अवसरों की असमानता – हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या यही है की किसी भी अवसर को हम सामान्य रूप से उपलब्ध नहीं करवा पाते, अतः हमे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बीच शिक्षा और कौशल तक पहुंच को सामान बनाना के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

शिक्षकों का प्रशिक्षण– योग शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए हमे जायदा से जायदा योग शिक्षकों की नियुक्ति करने चाहिए ऐसे शिक्षक जो अपनी फील्ड की पूरी जानकारी रखते हो अवं किसी भी कार्य को क्र सकते हो अपनी सभी जिम्मेदारी निभाना जानते हो।

औद्योगिक सहभागिता – शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी बनाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है क्योकि शिक्षा क द्वारा ही उद्योग को अच्छे से चला सकते है।

अध्ययन का प्रभाव और विश्लेषण

रोजगार उन्मुख शिक्षा और कौशल विकास के लाभ

- ❖ रोजगार में वृद्धि
- ❖ आर्थिक विकास
- ❖ उद्यमिता का विकास
- ❖ आत्मनिर्भरता
- ❖ आंकड़े और केस स्टडी
- ❖ स्किल इंडिया मिशन के तहत प्रशिक्षित युवाओं के रोजगार दर में 20 % की वृद्धि एवं ग्रामीण इलाकों में डिजिटल शिक्षा से रोजगार के नए अवसर प्राप्त किये गए है।

निष्कर्ष और सिफारिश – रोजगार उन्मुख शिक्षा और कौशल विकास भारत के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक है जिससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ता है बल्कि आर्थिक विकास और सामाजिक सुधार में भी योगदान करता है।

21वीं सदी के भारत में रोजगार उन्मुख शिक्षा और कौशल विकास का व्यापक विस्तार युवाओं के विकास के लिए आवश्यक है सरकार, निजी क्षेत्र और शैक्षिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना चाहिए जिससे देश के युवाओं के लिए आर्थिक स्वतंत्रता और समृद्धि की कुंजी बने यह न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से सशक्त बनाती है बल्कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक है इस दिशा में सरकार, शिक्षण संस्थानों और उद्योगों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

इस शोध पत्र में भारत में युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के महत्व और संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है इसे लागू करने से न केवल युवाओं का विकास होगा बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना वितरण सुदढ़ होगी।

सिफारिश

- ❖ कौशल आधारित शिक्षा को अनिवार्य करना
- ❖ हर क्षेत्र में कौशल केंद्र की स्थापना करना
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पाठ्यक्रम का विकास करना
- ❖ डिजिटल और वेबसाइट प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करना

संदर्भ ग्रंथ सूची

- नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 गवर्नमेंट ऑफ इंडिया
- स्किल इंडिया मिशन रिपोर्ट मिनिस्ट्री आफ स्किल डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप
- रिसर्च पेपर ओं वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेंनिंग इन इंडिया
- भारती कौशल विकास मंत्रालय मिनिस्ट्री आफ स्किल डेवलपमेंट इंटर्नशिप फ्रेंडशिप
- यूनेस्को की शिक्षा रिपोर्ट, 2023
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nep_update/NEP_final_HI_0.pdfpdf
- विभिन्न शोध पत्र और रिपोर्ट
- websites